Seat No. : _______________

NQ-133

December-2015

M.A., Sem.-I

402 : Hindi

(भाषा-विज्ञान)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

निर्देश : **सभी** प्रश्नों में विभाग 'क' के प्रश्नों के उत्तर **500** से **600** शब्दों में और 'ख' विभाग के उत्तर **100** से **150** शब्दों में लिखिए ।

1. (क) भाषा की परिभाषा देकर भाषा के अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

भाषा-विज्ञान की उपयोगिता बताते हुए, उसकी प्रमुख शाखाओं का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

(ख) संक्षेप में उत्तर दीजिए : (कोई **एक**) **4**

(1) भाषा परिवर्तन के बाह्य कारण

(2) भाषा-विज्ञान और मनोविज्ञान

2. (क) 'वागवयव स्वन के उच्चारण का आधार है ।' – इस कथन के आधार पर वागवयव के कार्य बताइए । **10**

अथवा

स्थान और प्रयत्न के आधार पर स्वनों का वर्गीकरण कीजिए ।

(ख) संक्षेप में उत्तर दीजिए : (कोई **एक**) **4**

(1) स्वनिम की अवधारणा

(2) स्वनिम के भेद

3. (क) रूप - परिवर्तन के कारणों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

रूपिम के भेद सोदाहरण बताइए ।

(ख) संक्षेप में उत्तर दीजिए । **4**

(1) रूपिम की अवधारणा

(2) रूप परिवर्तन की दिशाएँ

4. (क) वाक्य की अवधारणा स्पष्ट करके वाक्य के अनिवार्य तत्त्व बताइए । **10**

अथवा

वाक्य के प्रकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

(ख) संक्षेप में लिखिए : (कोई **एक**) **4**

(1) अभिहितान्वयवाद

(2) वाक्य-परिवर्तन के मुख्य कारण

5. सूचनानुसार उत्तर दीजिए : **14**

(क) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर वाक्य पुन: लिखिए :

(1) भाषा-विज्ञान की किस शाखा में दो या अधिक भाषाओं का अध्ययन होता है ?
(वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, भौगोलिक)

(2) भाषा-विज्ञान के मुख्य अंग कितने हैं ? (तीन, पाँच, चार, नौ)

(3) 'यादृच्छिकता' से क्या अभिप्राय है ? (ऐच्छिक, साहजिक, सुबोध, कारणदर्शी)

(4) उच्चारण प्रक्रिया का सर्वाधिक सक्रिय अवयव कौन सा है ?
(मुखयंत्र, कण्ठ, जिह्वा, मूर्धा)

(5) अनुस्वार और अनुनासिक कैसे व्यंजनों के भेद हैं ? (मूर्धन्य, नासिक्य, कंठ्य, ओष्ठ्य)

(6) जिसमें रूपिम को तोड़कर अलग किया जाता है, उसे क्या कहते हैं ?
(मुक्त रूपिम, खंड रूपिम, बद्ध रूपिम, मूल रूपिम)

(7) व्यवहार, विवरण और अनुवाद किसके साधन हैं ?
(भाषा-विज्ञान, स्वनविज्ञान, अर्थबोध, वाक्यबोध)

(ख) निम्नांकित वाक्यों में से सही / गलत पहचान कर 3 या × का निशान लगाइए (पूरा वाक्य लिखकर निशान लगाएँ) :

(8) भाषा-विज्ञान के अध्ययन का आरंभ भारत में हुआ ।

(9) स्वनिम की सत्ता मानसिक होती है ।

(10) उद्देश्य और विधेय का वाक्य में कोई महत्त्व नहीं होता ।

(11) रूपविज्ञान के अंतर्गत शब्दों की रचना-प्रक्रिया का अध्ययन किया जाता है ।

(12) 'ओ३म्' त्रिमात्रिक स्वर है, जिसे 'प्लुत' कहा जाता है ।

(13) विवरण द्वारा अर्थबोध होता है ।

(14) कुमारिल भट्ट ने अभिहितान्वयवाद का प्रवर्तन किया ।